an>

title: Situation arising due to sudden increase in neo-rich population in border areas.

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से राष्ÂÂट्रीय सुरक्षा से जुड़े हुए एक महत्वपूर्ण मुद्दे की ओर सरकार का ध्यान आकर्Âिषत करना चाहता हूँ। देश के सीमावर्ती क्षेत्रों में और खास तौर से नेपाल, भूटान तथा तिब्बत से लगी हुई हमारे देश की जो सीमा है, उस क्षेत्र में अचानक नवधनाढ्यों की एक बड़ी शृंखला खड़ी हुई है। महोदय, जो सीमावर्ती क्षेत्र कभी हमारे देश का सबसे शांत क्षेत्र माना जाता था, आज सुरक्षा की दÂिट से अत्यंत संवेदनशील हो चुका है। वहाँ पर तेजी से जाली नोटों की तस्करी, अवैध हथियारों की तस्करी, अन्य तमाम प्रकार के मादक द्रव्यों की तस्करी और अन्य तमाम प्रकार की गतिविधियों के साथ-साथ राÂट्रीय सुरक्षा के लिए भी एक खतरनाक स्थिति उन क्षेत्रों में बन चुकी है। साथ-साथ उस क्षेत्र में इन नव-धनाढ्यों की संदिग्ध गतिविधियों के कारण वहाँ के सामाजिक सौहार्द पर भी अत्यंत खतरनाक प्रभाव पड़ रहा है। यह समस्या 1971 से तेजी के साथ बढ़ी और 1990 के दशक के प्रारंभ तक बढ़ी, लेकिन उसके बाद जब उस क्षेत्र में पिछली एनडीए सरकार ने सशस्त्र सीमा बल की तैनाती की थी, तो कुछ समय के लिए गतिविधियाँ रुकी थीं। लेकिन पिछले आठ-दस वÂाों से गतिविधियाँ फिर तेजी के साथ बढ़ी हैं और उनकी संदिग्ध गतिविधियों से पूरा क्षेत्र अत्यंत संवेदनशील हो चुका है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहूँगा कि नेपाल से लगी हुई सीमा, भूटान और तिब्बत से लगी हुई हमारी जो विस्तृत सीमा है, इन सीमाओं पर नवधनाढ्यों की इन गतिविधियों की एन.आई.ए. से विस्तृत जाँच कराकर इस पर प्रभावी कार्रवाई की जाए।

माननीय अध्यक्ष : श्री सुधीर गुप्ता, श्री रोड़मल नागर, श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, श्री रवीन्द्र कुमार जेना, श्री शरद त्रिपाठी, श्री भैरों प्रसाद मिश्र एवं कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चंदेल को योगी आदित्यनाथ द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।